

ई.एच.आई.-04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-04
भारत : 16वीं सदी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक



इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

सत्रीय कार्य
2020-2021

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-04

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2020 सत्र के लिए	31 मार्च 2021	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2021 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2021	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

(क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

(ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण :** अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

- 1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
- 2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.-04
भारत : 16वीं सदी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.-04
 सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.-04
 ए.एस.टी./टी.एम.ए./2020-2021
 पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अकबर की राजपूत नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
 अथवा
 मुगलों के अधीन जागीर व्यवस्था के विकास की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

20

2. मुगल-मराठा संबंधों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
 अथवा
 अकबर के अधीन वास्तुकला के विकास का संक्षिप्त व्यौरा प्रस्तुत कीजिए।

20

भाग 2 : प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में लिखिए।

3. बैरम खां के संरक्षणत्व काल पर एक टिप्पणी लिखिए।
 अथवा
 मुगलों की दक्खिन नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

12

4. तुर्क मंगोल राजत्व सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।
 अथवा
 मध्यकाल में कौन-कौन सी वाणिज्यिक पद्धतियाँ प्रचलन में थीं? चर्चा कीजिए।

12

5. कृषि आधारित उत्पादन क्या है? कुछ कृषि आधारित उत्पादों का वर्णन कीजिए।
 अथवा
 मुगलों के अधीन राजस्व मूल्यांकन की पद्धतियों की संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।

12

6. चित्रकला के दक्खिन स्कूल की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं?
 अथवा
 मुगल साम्राज्य के पतन संबंधी साम्राज्य-केन्द्रित दृष्टिकोण पर संक्षिप्त में चर्चा कीजिए।

12

भाग: 3 प्रत्येक का लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए।

6 + 6

7. निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
 (i) मुगलों के अधीन धातुशोधन का विकास
 (ii) फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी
 (iii) मुगल काल में जनसंख्या
 (iv) मुगल काल में खानानीय तथा क्षेत्रीय व्यापार